स्वतंत्रता दिवस वीरता पुरस्कार 2024

प्रिलिम्स के लिये:

भारत के राष्ट्रपति, वीरता पुरस्कार, ऑपरेशन रक्षक, ऑपरेशन स्नो लेपर्ड, ऑपरेशन सहायता, वीरता के लिये राष्ट्रपति पदक

मेन्स के लिये:

विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियाँ और उनके अधिदेश, 'विकसित भारत' विज़न तथा भारत के विकास लक्ष्य

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

15 अगस्त, 2024 को भारत ने अपना 78वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया तथा इस अवसर पर भारत के राष्ट्रपति ने सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कार्मिकों को प्रतिष्ठित वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया।

- इसके अतिरिक्त, पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा तथा सुधार सेवाओं के कार्मिकों को असाधारण बहादुरी एवं सेवा के लिये 1,037 पुलिस पदक प्रदान किये गए।
- प्रधानमंत्री ने भारत के भविष्य को आकार देने के लिये महत्त्वाकांक्षी लक्ष्यों का भी अनावरण किया, जिसमें सुरक्षा बलों और विकास के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया है।

नोट:

- वर्ष 2024 के लिये भारत के स्वतंत्रता दिवस की विषयवस्तु **'विकसित भारत'** है, जो **वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के दृष्टिकोण** का प्रतीक है।

78वें स्वतंत्रता दिवस पर दिये जाने वाले वीरता पुरस्कार क्या हैं?

- **कीर्ति चक्र:** तीन मरणोपरांत सहित चार कीर्ति चक्र प्रदान किये गए।
  - वीरता के लिये कीर्ति चक्र पुरस्कार पहली बार वर्ष 1952 में **अशोक चक्र श्रेणी-II** के रूप में शुरू किया गया था और वर्ष 1967 में इसे **कीर्ति चक्र** के रूप में पुनः नामित किया गया।
    - यह **पदक गोलाकार होता है** तथा **मानक चाँदी से निर्मित** होता है। इसके अग्रभाग पर कमल की माला से घिरि**अशोक चक्र की उभरी हुई प्रतिकृति** है।
    - इसका रिबन हरे रंग का होता है तथा दो नारंगी ऊर्ध्वाधर रेखाओं द्वारा तीन बराबर भागों में विभाजित होता है।
    - यह पदक प्रतिपक्षी के विरुद्ध असाधारण वीरता के प्रदर्शन हेतु दिया जाता है तथा**यह मरणोपरांत भी प्रदान किया जा सकता** है।
- **शौर्य चक्र: चार मरणोपरांत सहित 18 शौर्य चक्र प्रदान** किये गए।
  - **शौर्य चक्र की स्थापना वर्ष 1952** में **अशोक चक्र श्रेणी-III** के रूप में की गई थी और वर्ष 1967 में इसका नाम बदलकर **शौर्य चक्र कर** दिया गया। यह **वीरता के अलावा** शत्रु के विरुद्ध किये गए **अन्य कार्यों के लिये प्रदान किया** जाता है।
    - **यह पदक गोलाकार होता है और कांस्य से निर्मित** है। पदक के अग्र भाग पर मध्य में अशोक चक्र की प्रतिकृति बनी होती है तथा उसके चारों ओर कमल की माला बनी होती है।
    - **हरे रंग का रिबन तीन ऊर्ध्वाधर रेखाओं द्वारा चार बराबर भागों** में विभाजित होता है।
    - यदि चक्र का कोई प्राप्तकर्त्ता पुनः वीरता का ऐसा कार्य करता है जो उसे चक्र प्राप्त करने के योग्य बनाता है, तो वीरता का

ऐसा **आगे का कार्य चक्र को लटकाने वाले रबिन पर लगी एक पट्टी द्वारा दर्ज कयि** जाएगा।

    - प्रदान कयि जाने वाले **प्रत्येक बार के लयि, चक्र की एक लघु प्रतकृति को अकेले पहने जाने पर रबिन में जोड़ा** जाएगा।

  - **चक्र प्रतपिक्षी के वरिुद्ध वीरता के अलावा अन्य कसिी भी प्रकार के साहस के लयि प्रदान कयि** जाता है। यह सम्मान मरणोपरांत भी प्रदान कयिा जा सकता है।

- **सेना पदक (वीरता):** एक बार टू सेना पदक (वीरता) तथा दो मरणोपरांत सहति 63 सेना पदक (वीरता) प्रदान कयि गए।
  - **बार टू सेना पदक (वीरता) भारतीय सेना** के उन कार्मकिों को दयिा जाता है, जन्हिें पूर्व में **सेना पदक (वीरता)** प्राप्त हो चुका है तथा उसके बाद भी बहादुरी या असाधारण सेवा के कार्य कयि हैं।
- **नौसेना पदक:** 11 नौसेना पदक (वीरता) प्रदान कयि गए।
  - **नौसेना पदक भारतीय नौसेना कार्मकिों के लयि** एक वीरता पुरस्कार है, जो असाधारण कर्त्तव्यनष्ठिा या साहस हेतु दयिा जाता है।
- **वायु सेना पदक: 6 वायु सेना पदक (वीरता) प्रदान कयि गए।**
  - वायु सेना पदक की स्थापना वर्ष 1960 में **वायु सेना कर्मयिों** द्वारा असाधारण कर्त्तव्यनष्ठिा या साहसपूर्ण कार्यों को मान्यता देने के लयि की गई थी।
  - यह पुरस्कार कर्त्तव्य या साहस के **प्रत असाधारण समर्पण के व्यक्तगित कार्यों के लयि दयिा जाता** है जसिका वायु सेना हेतु वशिष महत्त्व होता है। VM (वीरता) साहस के कार्यों के लयि दयिा जाता है और VM (कर्त्तव्य के प्रत समर्पण) कर्त्तव्य के प्रत असाधारण समर्पण हेतु दयिा जाता है।
    - **प्रत्येक आगामी पुरस्कार के लयि एक बार दयिा जाता है तथा यह पुरस्कार मरणोपरांत भी दयिा जा सकता है।**
- **मेंशन-इन-डस्पिैच:** राष्ट्रपत ने 39 मेंशन-इन-डस्पिैच को भी मंज़ूरी दी है, जसिमें वभिन्नि सैन्य अभयिानों में महत्त्वपूर्ण योगदान के लयि**आर्मी डॉग केंट (मरणोपरांत) को दयिा** गया मेंशन-इन-डस्पिैच भी शामलि है।
  - इन ऑपरेशनों में **ऑपरेशन रक्षक, ऑपरेशन स्नो लेपर्ड, ऑपरेशन सहायता, ऑपरेशन हफिाजत, ऑपरेशन ऑर्कडि और ऑपरेशन कच्छल** शामलि हैं।
    - ऑपरेशन रक्षक जम्मू और कश्मीर में **भारतीय सेना द्वारा चलाया जा रहा एक आतंकवाद-रोधी तथा उग्रवाद-रोधी अभयिान** है। यह जून 1990 में उस समय शुरू हुआ था जब इस क्षेत्र में उग्रवाद अपने चरम पर था।
    - **पूर्वी लद्दाख में वास्तवकि नयिंत्रण रेखा (Line of Actual Control- LAC)** पर चीनी सेना के साथ गतरिोध के जवाब में **भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन स्नो लेपर्ड** शुरू कयिा गया था।
      - यह अभयिान वर्ष 2020 में तब शुरू हुआ जब चीन इस क्षेत्र में यथास्थति बहाल करने में वफिल रहा।
    - **ऑपरेशन सहायता** एक भारतीय ऑपरेशन है जो **[मानवीय सहायता और आपदा राहत](#)** (Humanitarian Assistance and Disaster Relief- HADR) सहायता प्रदान करता है।
    - **ऑपरेशन ऑर्कडि** भारतीय सेना द्वारा **नगालैंड के नागा हल्सि और तुएनसांग क्षेत्र** में चलाया गया एक **आतंकवाद वरिोधी अभयिान** था।
    - **ऑपरेशन हफिाजत** भारतीय सेना द्वारा **नगालैंड-मणपिुर-अरुणाचल प्रदेश** क्षेत्र में चलाया गया एक **आतंकवाद वरिोधी अभयिान** है।
  - **मेंशन-इन-डस्पिैच, परचिालन क्षेत्रों में वशिष्टि और सराहनीय सेवा** तथा वीरता के ऐसे कार्यों के लयि प्रदान कयिा जाता है, जो वीरता पुरस्कार प्रदान करने के लयि पर्याप्त उच्च कोट के नहीं होते हैं।

    - सेना, नौसेना और वायु सेना के सभी कार्मकि तथा अन्य वधिवित् गठति सशस्त्र बल, नर्संग सेवाओं के सदस्य तथा सशस्त्र बलों के अधीन या उनके साथ काम करने वाले नागरकि पात्र हैं।
  - नाम मरणोपरांत भी शामलि कयि जा सकते हैं तथा कसिी व्यक्त का नाम एक से अधकि डस्पिैच में उल्लेखति कयिा जा सकता है। प्रत्येक व्यक्त को एक प्रमाण-पत्र जारी कयिा जाता है, जहाँ उसका नाम डस्पिैच में उल्लेखति होता है।

पुलिस पदक के विभिन्न प्रकार क्या हैं?

- **वीरता के लिये राष्ट्रपति पदक (PMG):** बहादुरी के लिये सर्वोच्च पुलिस सम्मान, जीवन और संपत्ति को बचाने, अपराध को रोकने, या अपराधियों को गिरफ्तार करने में विशिष्ट वीरता के कार्यों के लिये दिया जाता है।
  - 1 PMG तेलंगाना पुलिस के हेड कांस्टेबल श्री चादुवु यादैया को चेन-स्नेचिंग और हथियारों के सौदे में शामिल अपराधियों के साथ हिंसक मुठभेड़ के दौरान उनकी असाधारण बहादुरी के लिये दिया गया।
- **वीरता के लिये पदक (GM):** 213 GM को वीरता के कार्यों के लिये सम्मानित किया गया, जिसमें अग्निशमन और नागरिक सुरक्षा कर्मियों के लिये सजावट शामिल हैं।
- **विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पदक (PSM):** पुलिस कार्य में असाधारण और विशिष्ट सेवा हेतु **94 राष्ट्रपति पदक (PSM)** दिये गए।
- **उत्कृष्ट सेवा के लिये पदक (MSM):** 729 उत्कृष्ट सेवा के लिये पदक (MSM) संसाधनशीलता और कर्त्तव्य के प्रति समर्पण की विशेषता वाली मूल्यवान सेवा के लिये दिये गए।

भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य क्या हैं?

- **जीवन की सुगमता:** बेहतर बुनियादी ढाँचे और सेवाओं के माध्यम से शहरी जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि।
- **नालंदा भावना का पुनरुद्धार:** प्रधानमंत्री ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भावना को पुनर्जीवित करने की मांग की,**वर्ष 2024 में नालंदा विश्वविद्यालय के उद्घाटन** के आधार पर उच्च शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देकर भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित किया।
- **सेमीकंडक्टर उत्पादन:** आयात निर्भरता को कम करना और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में अग्रणी होना।
- **कौशल भारत:** बजट 2024 का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने भारत के युवाओं को प्रशिक्षित करने और इसे विश्व की कौशल राजधानी बनाने हेतु ऐतिहासिक पहलों पर प्रकाश डाला।
- **औद्योगिक विनिर्माण:** भारत को एक प्रमुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना।
- **भारत में डिज़ाइन:** घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाज़ारों के लिये उत्पाद बनाना।
- **ग्रीन जॉब्स और हाइड्रोजन**: हरित हाइड्रोजन में **वैश्विक अभिकर्त्ता बनने और पर्यावरण संरक्षण एवं नवीकरणीय ऊर्जा में स्थायी नौकरियाँ सृजित करने** के लिये भारत की प्रतिबद्धता दोहराई गई।
- **जलवायु परिवर्तन लक्ष्य:** **वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा** के भारत के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को दोहराया गया, यह देखते हुए कि भारत जी20 देशों में **पेरिस समझौते** के लक्ष्यों को पूरा करने वाला एकमात्र देश रहा है।
- **राजनीति में युवा:** भाई-भतीजावाद और जातिवाद से लड़ने के लिये 100,000 नए युवाओं को राजनीति में लाना।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न. वीरता पुरस्कारों के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये। ये पुरस्कार असाधारण बहादुरी को सम्मानित करने के लिये भारत की प्रतिबद्धता को कैसे दर्शाते हैं?

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत रत्न और पद्म पुरस्कारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2021)

1. भारत रत्न और पद्म पुरस्कार भारत के संविधान के अनुच्छेद 18(1) के अंतर्गत उपाधियाँ हैं।
2. वर्ष 1954 में प्रारंभ किये गए पद्म पुरस्कारों को केवल एक बार निलंबित किया गया था।
3. किसी वर्ष-विशेष में भारत रत्न पुरस्कारों की अधिकतम संख्या पाँच तक सीमित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/independence-day-gallantry-awards-2024